जानवर का बाड़े में बंद भेड़ों पर हमला, 37 को मारा

ग्रामीणों ने पैंथर द्वारा घटना को अंजाम देने की आशंका व्यक्त की है

मासलपुर, (निसं.)। मासलपुर क्षेत्र के गवदूपुरा, लखनीपुर गांव में बीती रात किसी जानवर ने बाड़े में बंद भेड़ों पर हमला बोल दिया जिससे 37 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई ब 25 घायल हो गई।

घटना की जानकारी प्रात: जाग होने पर हुईं जब पीड़ित वीर सिंह पुत्र गबदू गुर्जर बाडे में अपनी भेड़ों को देखने गया। जहां भेड़ों को इधर-उधर मृतक व घायल देख हतप्रभ रह गया। घटना पर ग्रामीण, परिवार जन एकत्रित हो गए वहीं सूचना मासलपुर वन विभाग को दी गई सूचना पर क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद मीणा के नेतृत्व में वन विभाग व चिकित्सा विभाग का दल मौके पर पहुंचा व ग्रामीणों की उपस्थिति में मौके का पंचनामा तैयार करवा कर चिकित्सकों के दल से मृतक भेड़ों का पोस्टमार्टम करवाया। वही मौके व अज्ञात जानवर के पार्गमार्क के फोटो लिए गये।

मासलपुर के निकट लखनीपुर गांव के एक बाड़े में मृत पड़ी भेड़ें।

वन विभाग का दल अज्ञात जानवर की पहचान करने की जांच में जुट गया है मृतक भेड़ों में 33 मादा व 4 नर थे। इस दौरान ग्राम पंचायत कंचनपुर सरपंच दिनेश चंद भी मौजूद रहे ग्रामीणों ने पैंथर द्वारा घटना को अंजाम देने की आशंका व्यक्त की है।

भोजलाई के ग्रामीणों ने स्कूल पर ताला जड़ा

शिक्षकों पर बच्चों को नहीं पढ़ाने का आरोप लगाया

सुजानगढ़, (निसं)। शहर से दस किलोमीटर दूर स्थित भोजलाई गांव के ग्रामीणों ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के बाहर ताला जडकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने विद्यालय में पढाई के स्तर पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्कूल में अध्यनरत बच्चों को खुद का नाम तक लिखना नही आता है। जिसके चलते उनके बच्चों के आठवीं कक्षा में बी व सी ग्रेड मार्क्स आए हैं, एक भी बच्चे के ए ग्रेड नहीं आई है।

गांव के मुकेश कुमार नायक ने बताया कि 26 जनवरी को देर से ध्वजारोहण करने की शिकायत करने पर अध्यापक ने कहा कि तुं कोई समटूणी लेकर आया है क्या? स्कूल के तालाबंदी की सूचना पर शिक्षक नेता भंवरलाल पाण्डर व सुधेन्द्र जोशी ने भौजलाई पहुंच कर ग्रामीणों से समझाईश कर ताला खुलवाने का प्रयास किया। इसके बाद सरपंच प्रतिनिधि करणीसिंह राठौड व पीईईओ संदीप श्योराण ने भोजलाई पहुंच कर ग्रामीणों से समझाईश की, लेकिन समाधान नहीं हुआ। इसके पश्चात सीबीईओ कुलदीप व्यास व आर.पी. कैलाश चिनिया विद्यालय पहुंचे।

उन्होने ग्रामीणों से समझाईश कर विद्यालय का ताला खुलवाया तथा अन्दर बरामदे में बैठ कर ग्रामीणों के साथ वार्ता की। वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने विद्यालय में प्रधानचार्य द्वारा विद्यालय व्यवस्था में लापरवाही बरतने तथा उचित प्रबंधन नहीं करने का आरोप लगाते हुए प्रधानाचार्य सहित दो अध्यापकों को हटाने की मांग की। जिसके बाद सीबीईओ कुलदीप व्यास ने लिखित में विद्यालय की एसएमसी के पुर्नगठन करवाने का आश्वासन देते हुए कहा कि स्थानान्तरण की प्रक्रिया उच्चाधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में हैं, आप की शिकायत उन तक पहुंचा दी जायेगी। जिसके बाद जांच टीम द्वारा शिकायत की जांच की जायेगी तथा दोषी पाये जाने पर विभागीय कार्यवाही की जायेगी।

सुजानगढ़ के गांव भौजलाई में ग्रामीणों के साथ वार्ता करते सीबीईओ कुलदीप व्यास।

■ ग्रामीणों ने विद्यालय में पढ़ाई के स्तर पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्कूल में अध्यनरत बच्चों को खुद का नाम तक लिखना नहीं आता है

इस दौरान तालाबंदी की सूचना पर सदर थाना पुलिस भी मौके पर पंहूची। सब इंस्पेक्टर नारायणराम के नेतृत्व में एहतियात के तौर पर जाप्ता तैनात रहा। इस अवसर पर उपसरपंच दुर्गाराम, कानसिंह, भगाराम जाट, चन्द्राराम मेघवाल, हंसराज नायक, देवीसिंह, देवाराम, भंवरलाल, कुनणाराम, पूर्णाराम, उगाराम, समन्दरराम, राकेश, जयराम सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

बोलेरो-ट्रक की भिड़ंत में एक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर-पिलानी राजमार्ग 709 पर गाँव नीमा के आसपास ट्रक व बोलरों के मध्य रविवार देर रात को हुई सडक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए है।

मिली जानकारी के अनुसार सडक दुर्घटना में हमीरवास निवासी दिलबाग धांगड की मौत हो गई, जबकि 18 वर्षीय अंकित नामक उसका भतिजा तथा मुकेश धांगड गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों नें हिसार रेफर कर दिया, जहां दोनो उपचाराधीन हैं। वहीं ट्रकए एवं बोलेरो के मध्य हुई उक्त दुर्घटना में बोलेरो गाडी के परखच्चे उड गये। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ।

नींमा गांव के पास हुई दुर्घटना में बोलेरो गाड़ी चकनाचूर हो गई।

सिलेण्डर में आग लगने से झुलसी महिला की मौत

सुजानगढ़, (निसं)। दो दिन पहले गैस सिलेण्डर के आग पकडने से झुलसी महिला की जयपुर के एसएमएस अस्पताल में मृत्यु हो गई। एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में झुलसी महिला मैना देवी मौत से लडाई लडते हुए जिन्दगी की जंग हार गई। सोमवार को उनके भौजलाई बास स्थित मकान से मृतका मैना देवी की अंतिम यात्रा निकली।भौजलाई बास स्थित मोक्ष धाम में मृतका मैनादेवी का अंतिम संस्कार किया गया। सिलेण्डर हादसे में झुलसे मृतका मैनादेवी के पति चेतनराम का राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। ज्ञात रहे कि शनिवार सुबह गैस सिलेण्डर के आग पकडने से पति-पत्नि दोनों झुलस गए थे। बाद में पत्नी को जयपुर रैफर किया।

उदयपुर हत्याकांड के बाद अजमेर में वकील की सुरक्षा की मांग

अजमेर के वकील को सिर काटने की मिली धमकी

अजमेर, (कास)। अजमेर के वकील को सिर काटने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और वकीलों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एएसपी को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा मुहैया करवाने और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अजमेर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहन सिंह राठौड़ के नेतृत्व में सोमवार को एसोसिएशन के पदाधिकारियों व वकीलों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान से मुलाकात कर सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने के दौरान साथी वकील भानू प्रताप सिंह चौहान को गला काटने की धमकी देने वाले आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की।

एएसपी को दिए ज्ञापन में अध्यक्ष मोहन सिंह राठौड़ ने बताया कि साथी वकील चौहान द्वारा वर्तमान परिदृश्य में सोशल मीडिया पर डाली गई पोस्ट पर कमेंट करने के दौरान आरोपी सोहेल सैयद नामक व्यक्ति द्वारा अधिवक्ता भानु प्रताप सिंह को गला काटने की धमकी दी गई है जो कि गंभीर विषय है। ऐसे में अधिवक्ता को सुरक्षा मुहैया कराई जाए और सोशल मीडिया पर सरेआम धमकी देने वाले आरोपी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए अन्यथा बार एसोसिएशन आंदोलन को मजबूर होगी।

एक ही परिवार की तीन नाबालिग घर से लापता

■ राजसमंद जिले के रेलमगरा उपखण्ड के मउ गांव का मामला

राजसमन्द, (निसं)। जिले में रेलमगरा उपखण्ड के मउ गांव से एक ही परिवार की तीन नाबालिग बच्चियां अचानक से गायब होने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर परिजनों ने थाने में भी शिकायत दर्ज कराई लेकिन पुलिस ने काई कार्रवाही नहीं करते हुए लापता बालिकाओं के बारें में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

इधर, परिजनों का रो-रो का बुरा हाल हो रखा है। इसी मामले को लेकर सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी एसपी ऑफिस पहुंचे। यहां राजसमंद डिप्टी बेनिप्रसाद मीणा को एसपी के नाम ज्ञापन सौंप मामले में कार्रवाई की मांग की। बच्चियों के पिता ने बताया कि अपने घर के सदस्य को 25 जून को डॉक्टर को दिखाने के लिए उदयपुर गए थे। इस दौरान उनकी दोनों बेटियां और भाई की बेटी अकेली थी। जब उदयपुर से दोबारा आए तो बच्चियां घर में नहीं थी। शाम तक तलाशी लेने के बाद भी कोई पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि इस घटना को 10 दिन हो चुके हैं।

थाने में भी मामला दर्ज करवाया था। लेकिन, अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। वही भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष राधा रानी राजोरा ने बताया कि उन्हें अंदेशा है कि बच्चियों को बहला-फुसलाकर कोई भगा ले गया। अन्तर्राष्ट्रीय गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज जिलाध्यक्ष सुखलाल पंचोली, पूर्व जिलाध्यक्ष्स सीपी व्यास एवं महिला जिलाध्यक्ष सपना शर्मा ने लापता बच्चियों का पता लगाने की मांग की।

दबंगों द्वारा रोके गए दलित परिवार के घर और खेतों के रास्ते को अविलंब खुलवाने की मांग

दलित शोषण मुक्ति मंच के प्रदेश सह संयोजक के नेतृत्व में दलित बड़ी संख्या में जिला कलेक्टर से मिले

अलवर, (निसं)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के प्रदेश सह संयोजक डॉ.रमेश बैरवा के नेतृत्व में मुंडावर तहसील के गांव सुखमनहेड़ी के दलित बड़ी संख्या में जिला कलेक्टर से मिले। ज्ञापन सौंपकर जाति विशेष के दबंगों द्वारा अवरुद्ध किए दलित परिवार के घर और खेतों के रास्ते को अविलंब खुलवाने और मारपीट की धमकी देने वालों के खिलाफ कडी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर पीड़ित दलित परिवार श्रीचंद, हरचंद एवं फूलचंद के परिवारजन, ग्रामीण दलित तथा डीएसएमएम से जुड़े कार्यकर्ता सहित महिलाएं भी बडी संख्या में शामिल रही।

सताए दलित जिला कलेक्टर से गुहार लगाते हुए बोले 'कलेक्टर साहब अपराधी किस्म के इन दबंगों के खिलाफ यदि तुरंत कडी कार्रवाई नहीं की गई तो हमारा मर्डर हो सकता है। हमारा परिवार बुरी तरह भयभीत है। हमारे घर और खेतों का रास्ता जाति विशेष के दबंगों ने बंद कर दिया है,जिन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। हम जिल्लत की जिंदगी जी रहे हैं।

हमारे बच्चे स्कूल, कॉलेज नहीं जा पा रहे हैं। उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद भी ततारपुर पुलिस दबंगों के खिलाफ कार्यवाही नहीं कर रही है।' पीड़ितों ने कलेक्टर को वीडियो क्लीपिंग दिखाकर अपने बेहद बुरे हालातों के बारे में बताया। इस पीड़ा को जानकर कलेक्टर ने तुरंत एसडीएम मुंडावर को फोन कर आदेश दिया कि इन दलितों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाए। मामला गंभीर है। झगड़ा हो सकता है। मर्डर भी हो सकता है। एडीएम प्रथम को भी पीड़ितों के हक में त्वरित कार्यवाही के आदेश दिए है। जिला पुलिस अधीक्षक को भी त्वरित आवश्यक कार्यवाही के आदेश दिए हैं।

उल्लेख है कि इस प्रकरण में तथ्यात्मक रिपोर्ट के लिए दलित शोषण मुक्ति मंच के प्रदेश सह संयोजक डॉ रमेश बैरवा के नेतृत्व में टीम कुछ दिन पहले गांव सुखमनहेड़ी गई थी। टीम को पीड़ितों ने बताया कि मातौर निवासी लख्खाराम जाट के पुत्र धर्मसिंह, धर्मेंद्र,वीरसिंह, अजय पुत्र धर्मेंद्र तथा सुखमनहेड़ी निवासी पतराम, मानसिंह, विजयसिंह,राजू,सुभाष जाति जाट के दबंगों ने इस दलित परिवार का जीना मुश्किल कर दिया है। इनके घर और खेत के लिए कानूनन तय 12 फीट चौड़ा सरकारी रास्ता गुंडागर्दी से बंद कर दिया। पगडंडी भी नहीं छोड़ी है,जिससे इस दलित परिवार के घर और खेतों का रास्ता बंद है। अपराधी किस्म के ये दबंग इन्हें मारपीट की धमकी दे रहे हैं। दलित परिवार असुरक्षित है। रास्ता रोके जाने से इस परिवार के सरकारी कर्मचारी ड्यूटी पर भी नहीं जा पा रहे हैं। बच्चों की पढाई बाधित हो गई है। यह एक शिक्षित और समृद्ध दलित परिवार है। जाति विशेष के इन दबंगों जिन्हें राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है,के हौसले बुलंद होने के कारण दलित परिवार को भय,प्रताड़ना और जिल्लत की जिंदगी जीनी पड़ रही है। जाट जाति के इन दबंगों की असल नियत इस दलित परिवार को प्रताड़ित कर विस्थापित करके जमीन को हथियाने की है,जैसा कि अक्सर अन्य जगहों पर दलितों के साथ भी हो रहा है। दलित परिवार का रास्ता बंद किए जाने से गांव एवं आस पास के दलितों में गहरा आक्रोश है। हिंसा तक की संभावना है।

उदयपुर में इंटरनेट बहाल, शहर में शांति कायम, बाजार-दुकानें खुलीं

कर्फ्यू में दो घंटे की छूट और बढ़ाई अब 14 घंटे मिली ढ़ील

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर में हालात सामान्य होते जा रहे है। सोमवार को कर्फ्यू में सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक दी गई 12 घंटे की ढ ील के मद्देनजर शहर के बाजार व दुकानें खुली रही। वहीं शहर में शांति बनी हुई है। स्थिति पर नियंत्रण के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही।

सोमवार को उदयपुर में आम जीवन पुन: पटरी पर आ गया। आज दोपहर 12 बजे बाद करीब 5 दिन और 16 घंटे बाद इंटरनेट भी बहाल हो गया। ज्ञातव्य है कि 28 जून शाम 5.30 इंटरनेट बंद की प्रशासन ने घोषणा की थी इसके बाद रात 8 बजे तक नेट बंद हो गया था। इस बीच जिला कलक्टर ताराचंद मीणा और नवनियुक्त एसपी विकास कुमार ने आमजन से शांति की अपील की है।

कलक्टर ताराचंद मीणा ने अपील कर कहा कि उदयपुर में हमेशा से शांति और सौहार्द की परंपरा रही है, आमजन इसे कायम रखें। गत दिनों हुई घटना के बाद आमजन ने संयम और शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग किया है, जिसके लिए वे आभारी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आने वाले वक्त में भी प्रशासन को इसी तरह स्थानीय निवासियों का सहयोग मिलेगा।

एसपी विकास कुमार ने कहा कि शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले लोगों पर निगरानी रखी जाएगी एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। उदयपुर शहर शांतिप्रिय शहर है और अंतर्राष्ट्रीय महत्व रखता है। उन्होंने आमजन से अपील कर कहा है कि सभी शांति और आपसी भाईचारा बनाए रखें। जो भी व्यक्ति भाईचारा खराब करेगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने शहरवासियों द्वारा दिखाए गए संयम के लिए आभार व्यक्त किया है।

शाम को चेतक सर्कल, हाथीपोल, बडाबाजार, संतोषी माता मंदिर, अस्थल मंदिर, सूरजपोल व देहलीगेट सहित विभिन्न इलाकों से संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, आईजी प्रफुल्ल कुमार कलेक्टर ताराचंद मीणा, एसपी विकास कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ रूट मार्च निकाला।

■ इंटरनेट 5 दिन 16 घंटे बाद शुरू हुआ, पुलिस प्रशासन का रूट मार्च

इधर सोमवार को शांत वातावरण देखते हुए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) प्रभा गौतम ने एक आदेश जारी कर मंगलवार से कर्फ्यू में 14 घंटे की छूट प्रदान की है। इस आदेश के तहत सोमवार सुबह 6 से सायं 8 बजे तक कर्फ्यू में छूट रहेगी। एडीएम गौतम ने बताया कि शहर के धानमंडी, घंटाघर, हाथीपोल, अंबामाता, सूरजपोल, सविना, भूपालपुरा, गोवर्धनविलास, हिरणमगरी, प्रतापनगर एवं सुखेर पुलिस थाना क्षेत्रों में लागू किए गए कर्फ्यू में 14 घंटे की छूट दी गई है। उन्होंने बताया कि निर्धारित अवधि के बाद इन थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू यथावत जारी रहेगा।

अस्थल मंदिर के महंत रासबिहारी शरण ने कहा कि शांति ही उदयपुर की खूबसूरती है। उन्होंने सभी शहरवासियों से अपील की कि प्रशासन ने जो कर्फ्यू में छूट दी है उसमें शांति व्यवस्था कायम रखते हुए अपने रोजमर्रा के काम संचालित करें। उदयपुर एक पर्यटन और धार्मिक नगरी है यहां शांति बनी रहे। सभी सनातन धर्म मानने वाले शांति बनाए रखें। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों उदयपुर ने जो संयम का परिचय दिया है वह भी एक अच्छा कदम है।

अंजुमन तालीमुल इस्लाम के सदर मुजीब सिद्दीकी एवं सेकेटरी आबिद खान पठान ने अपील जारी कर कहा है कि शहर के हालत सामान्य होने लगे हैं एवं नेटबंदी समाप्त होने के बाद सभी की जिम्मेदारी है कि सांप्रदायिक सौहार्द को कायम रखते हुए शांति बनाए रखें एवं किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं दें। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करें और न ही किसी विवादित पोस्ट पर कमेंट एवं शेयर करें।

कूलर के सामने हवा ले रहे युवक की करंट से मौत

धौलपुर, (निसं.)। धौलपुर जिले के दिहोली थाना क्षेत्र के गांव अंडा पुरानी में कूलर में आए करंट की चपेट में आने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जिला अस्पताल धौलपुर में मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन बिना कानूनी कार्रवाई के डेड बॉडी को घर ले गए। जानकारी के मुताबिक 22 वर्षीय कान्हा पुत्र रवि निवासी अंडवा पुरानी राजाखेड़ा सुबह खेतों पर काम करने गया था।

खेतों से वापस लौट कर युवक पसीने में तर हुई अवस्था में कूलर के सामने बैठ गया था। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार युवक का कोई अंग शरीर से टच हो गया था। जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। घटना से परिजनों में हड़कंप मच गया। करंट की चपेट में आए युवक को गंभीर अवस्था में परिजनों द्वारा जिला अस्पताल धौलपुर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर मृत घोषित कर दिया। युवक को मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन जिला अस्पताल के सामने ही दहाड़े मारने लगे और बिना पोस्टमार्टम कराए एवं बिना कानूनी कार्यवाही के ही शव को अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

भरतपुर में अनोखा मेला, लोग मुंडन के बाद मुर्गे से दिलाते हैं आशीर्वाद

बच्चों ने मुंडन कराने के बाद मुर्गे से आशीर्वाद लिया।

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर जिले में बच्चों के मुंडन कराने व उनको नजर से बचाने के लिए कुआं वाला मेला का आयोजन हुआ। जिसमें लोग अपने बच्चों को लेकर पहुंचे और उनका मुंडन कराने के बाद मुर्गे से आशीर्वाद दिलाया।

इस दौरान भारी संख्या में महिला व पुरुष अपने छोटे बच्चों को लेकर मेले में पहुंचे और अपने बच्चों पर मुर्गा घुमवाया। जानकारी के मुताबिक बच्चों के मुंडन कराने व उन पर भूत प्रेत के साये से बचाने के लिए मुर्गे से आशीर्वाद दिलाया जाता है और यह मेला वर्ष में एक बार ही लगता है। एसपी कार्यालय के पास ही मेला लगता हैं जहाँ सैकड़ों की संख्या में महिलाएं अपने छोटे बच्चों को लेकर आती है और वहां मुर्गे वाले भी खूब कमाई करते है ।